



देश को मिलेगी पहली ग्रीनफील्ड रिफाइनरी, पीएम मोदी करेंगे लोकार्पण, राजस्थान को देंगे कपड़े की सौगात

विशेषज्ञों के मुताबिक इससे हजारों की संख्या में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे और पश्चिमी राजस्थान के औद्योगिक तथा सामाजिक-आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी. (जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल 4 जुलाई को राजस्थान के बालोतरा जिले के पचपदरा पहुंचकर देश की पहली ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी राष्ट्र को समर्पित करेंगे. करीब 79,450 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस रिफाइनरी प्रोजेक्ट को न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश के ऊर्जा और पेट्रोकेमिकल क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है. प्रधानमंत्री मोदी अपने इस दौरे में करीब 1.06 लाख करोड़ रुपये की कई अन्य विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण भी करेंगे.

पचपदरा रिफाइनरी का निर्माण हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और राजस्थान सरकार के संयुक्त उपक्रम

के तहत किया गया है. इस अत्याधुनिक परिसर की रिफाइनिंग क्षमता 9 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) है, जबकि इसकी पेट्रोकेमिकल उत्पादन क्षमता 2.4 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष है. रिफाइनरी का नेल्सन कॉम्प्लेक्सिटी इंडेक्स 17.0 है, जो इसे दुनिया की आधुनिक और उच्च दक्षता वाली रिफाइनरियों की श्रेणी में शामिल करता है.

यहां कुल उत्पादन का 26 प्रतिशत से अधिक हिस्सा पेट्रोकेमिकल उत्पादों का होगा. यह परियोजना भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, कच्चे तेल से जुड़े उत्पादों में आत्मनिर्भरता बढ़ाने और पेट्रोकेमिकल आयात पर निर्भरता कम करने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है. इसके साथ ही पचपदरा क्षेत्र में पेट्रोकेमिकल और प्लास्टिक पार्क विकसित होने का रास्ता भी खुलेगा, जिससे अनेक सहायक उद्योग स्थापित होंगे.

एक्सपर्ट्स की क्या राय है पूरे मामले में? विशेषज्ञों के मुताबिक इससे

हजारों की संख्या में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे और पश्चिमी राजस्थान के



औद्योगिक तथा सामाजिक-आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी. प्रधानमंत्री मोदी बालोतरा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के विभिन्न विभागों में भर्ती हुए करीब 54 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र भी सौंपेंगे. इनमें शिक्षा, ऊर्जा, गृह, पंचायती राज, परिवहन, उच्च शिक्षा, कौशल विकास, कृषि, सूचना

प्रौद्योगिकी और अन्य विभागों के चयनित अभ्यर्थी शामिल हैं. इसके अलावा प्रधानमंत्री जयपुर



मेट्रो के दूसरे चरण, चूरू-सादुलपुर और चूरू-रतनगढ़ रेल लाइन दोहरीकरण, जोधपुर रिंग रोड के नए चार लेन खंड, बीकानेर की 1000 मेगावाट और 300 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजनाओं, राजस्थान नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए नई बिजली ट्रांसमिशन परियोजनाओं समेत कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों का

शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे. गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी का यह कार्यक्रम पहले अप्रैल महीने

6 से 11 जुलाई तक तीन देशों के दौरे पर जाएंगे पीएम मोदी, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का करेंगे दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 से 11 जुलाई तक इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के ऐतिहासिक दौरे पर रहेंगे, जिसका उद्देश्य रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करना है। (जीएनएस)।

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 से 11 जुलाई तक इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के दौरे पर जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। इस दौरे का उद्देश्य तीनों देशों के साथ भारत के रणनीतिक, आर्थिक और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करना है। इंडोनेशिया से शुरू होगा पीएम का दौरा

विदेश मंत्रालय के सचिव रुद्रेंद्र टंडन ने बताया कि प्रधानमंत्री अपने दौरे की शुरुआत इंडोनेशिया से

में प्रस्तावित था, लेकिन 21 अप्रैल को शिलान्यास से महज एक दिन पहले ही रिफाइनरी में भीषण आग

6 से 11 जुलाई तक तीन देशों के दौरे पर जाएंगे पीएम मोदी, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का करेंगे दौरा



करेंगे। इसके बाद वह ऑस्ट्रेलिया जाएंगे, जहां उनके प्रमुख कार्यक्रम मेलबर्न में आयोजित होंगे। दौरे के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री न्यूजीलैंड पहुंचेंगे।

वयों खास है पीएम का न्यूजीलैंड दौरा विदेश मंत्रालय के अनुसार, न्यूजीलैंड की यह यात्रा कई मायनों में

लग गई थी. आग लगने से रिफाइनरी के एक हिस्से को बड़ा नुकसान पहुंचा था. आग लगने की घटना की

6 से 11 जुलाई तक तीन देशों के दौरे पर जाएंगे पीएम मोदी, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का करेंगे दौरा

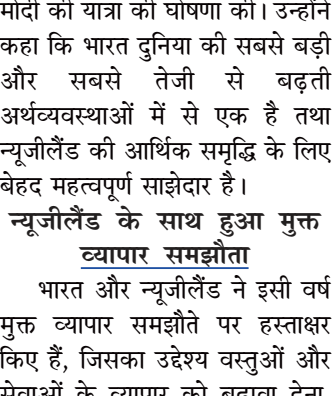


ऐतिहासिक होगी, क्योंकि लगभग 40 वर्षों बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री आधिकारिक दौरे पर न्यूजीलैंड जाएगा।

न्यूजीलैंड के पीएम ने की थी घोषणा इससे पहले न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने सोशल मीडिया के जरिए प्रधानमंत्री

वजह से 21 अप्रैल का कार्यक्रम महज कुछ घंटे पहले ही स्थगित कर दिया गया था.

6 से 11 जुलाई तक तीन देशों के दौरे पर जाएंगे पीएम मोदी, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का करेंगे दौरा



मोदी की यात्रा की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है तथा न्यूजीलैंड की आर्थिक समृद्धि के लिए बेहद महत्वपूर्ण साझेदार है। न्यूजीलैंड के साथ हुआ मुक्त व्यापार समझौता भारत और न्यूजीलैंड ने इसी वर्ष मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका उद्देश्य वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को बढ़ावा देना, निवेश को प्रोत्साहित करना और दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को और मजबूत करना है। प्रधानमंत्री मोदी के इस तीन देशों के दौरे के दौरान व्यापार, निवेश, रणनीतिक सहयोग, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझेदारी और विभिन्न द्विपक्षीय मुद्दों पर अहम चर्चा होने की संभावना है।

योगी सरकार का बड़ा ऐलान: मानसिक दिव्यांग और निराश्रितों का भरण-पोषण अनुदान बढ़कर 3,000 रुपये, सीएम ने दिए कई अहम निर्देश

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मानसिक दिव्यांग और निराश्रितों के लिए भरण-पोषण अनुदान 2,000 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये प्रतिमाह कर दिया, सीएम का पुनर्वास और शिक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश (जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने मानसिक रूप से दिव्यांग और निराश्रित लोगों के लिए बड़ा राहतभरा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केंद्रों और हाफ वे होम में रहने वाले संवासियों की भरण-पोषण अनुदान राशि 2,000 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये प्रतिमाह करने के निर्देश दिए हैं।

सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी

गुरुवार को दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसिक रूप से दिव्यांग और निराश्रित व्यक्ति पूरी तरह संस्थागत देखभाल पर आश्रित होते हैं। ऐसे में उनके लिए पौष्टिक भोजन, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है।



उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पात्र लाभार्थियों को कुत्रिम अंग, व्हीलचेयर तथा अन्य आवश्यक सहायक

उपकरण समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराए जाएं, ताकि उन्हें दैनिक जीवन में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। पुनर्वास और शिक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए मुख्यमंत्री ने श्रवण बाधित बच्चों की शीघ्र पहचान और कॉकिलयर

इंफ्लॉट के बाद उनके प्रभावी पुनर्वास पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि बच्चों को समय पर चिकित्सा सुविधा मिलने के साथ-साथ उनके पुनर्वास और शिक्षा की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विशेष विद्यालयों में

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए शिक्षकों की समयबद्ध नियुक्ति पर भी बल दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग की सभी योजनाओं का मूल उद्देश्य दिव्यांगजनों को सुरक्षित, सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन प्रदान करना है।

12.23 लाख से अधिक दिव्यांगजन दिव्यांग पेंशन योजना से लाभान्वित समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 12.23 लाख से अधिक दिव्यांगजन दिव्यांग पेंशन योजना से लाभान्वित हुए हैं। इसी अवधि में 34,420 पात्र लाभार्थियों को 43,689 सहायक उपकरण वितरित किए गए। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि अब तक 226 श्रवण बाधित बच्चों का कॉकिलयर इंफ्लॉट कराया जा चुका है।

भरत तिवारी एनकाउंटर पर बिहार एनडीए में आर-पार! चिराग बोले- पुलिसवाले जेल जाएंगे, मांझी ने कहा- सही किया

(जीएनएस)। भोजपुर जिले के बिलौटी गांव में हुए भरत तिवारी एनकाउंटर का मामला अब कानून-व्यवस्था से आगे बढ़कर राजनीतिक बहस का केंद्र बन गया है। एनडीए के दो प्रमुख सहयोगी दलों के नेताओं के अलग-अलग रुख ने इस मुद्दे को नया सियासी मोड़ दे दिया है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पंडित परिवार से मुलाकात कर पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए और निष्पक्ष जांच की मांग की। जबकि केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने पुलिस की कार्रवाई को पूरी तरह उचित बताया हुए उसका बचाव किया। दोनों नेताओं के विपरीत बयानों से बिहार की राजनीति में नई चर्चा शुरू हो गई है। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष

चिराग पासवान शुक्रवार को भोजपुर के बिलौटी गांव पहुंचे। उन्होंने एनकाउंटर में मारे गए भरत तिवारी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की और परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। इस दौरान भरत की मां आशा देवी भावुक होकर रो पड़ीं, जिन्हें चिराग ने सांत्वना दी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मामले की निष्पक्ष जांच हो और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित कराने के लिए वह हरसंभव प्रयास करेंगे। परिवार से मिलने के बाद चिराग पासवान ने पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिन अधिकारियों पर

जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी है, यदि वही इस तरह की कार्रवाई करेंगे तो लोगों का कानून पर भरोसा कमजोर होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भरत तिवारी



की हत्या लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं है। चिराग ने कहा कि यदि जांच में पुलिसकर्मियों दोषी पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए ताकि न्याय व्यवस्था पर लोगों का विश्वास बना रहे।

पटना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने पुलिस कार्रवाई को पूरी तरह सही ठहराया। उन्होंने कहा कि अगर पुलिस समय रहते कार्रवाई नहीं करती तो पुलिसकर्मियों की जान भी जा सकती थी। चिराग पासवान के दौरे पर प्रतिक्रिया देते हुए मांझी ने कहा कि हर नेता अपनी सोच के अनुसार निर्णय लेता है और उनका स्पष्ट मत है कि पुलिस ने परिस्थितियों को देखते हुए उचित कदम उठाया। उन्होंने कार्रवाई को कानून के दायरे में बताया।

मांझी ने भरत तिवारी के खिलाफ दर्ज मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि वह पूरी तरह निदोष थे तो उनके खिलाफ एससी-एसटी एक्ट सहित कई मुकदमे क्यों दर्ज थे।

आज से यूपी के दो दिवसीय दौरे सांगठनिक प्रवास पर भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन , लखनऊ में होगा भव्य रोड शो

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन दो दिवसीय यूपी दौरे पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से संवाद करेंगे। उनका यह दौरा यूपी चुनाव को लेकर अहम माना जा रहा है। (जीएनएस)।

लखनऊ, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन चार जुलाई से राजधानी के दो दिवसीय सांगठनिक प्रवास पर हैं। उनका यह दौरा विधानसभा चुनाव की रणनीति को धार देने और प्रदेश भाजपा की नवगठित टीम के मार्गदर्शन के लिए महत्वपूर्ण है। इस दौरान वह वरिष्ठ पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से संवाद करेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने शुक्रवार को दौरे की तैयारियों का जायजा लिया। नितिन नबीन संगठन



को मजबूती देने के साथ शक्ति केंद्र संयोजक सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे। वह शनिवार को सुबह 11 बजे

चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे। वहां से प्रदेश भाजपा मुख्यालय तक उनका भव्य रोड शो होगा।



भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन के स्वागत में होर्डिंग्स से सजाई गई राजधानी लखनऊ

भाजपा ने शुरू की 2027 जीतने की तैयारी, हारी हुई सीटों पर तैनात किए जाएंगे प्रभारी; आएंगे राष्ट्रीय अध्यक्ष, कार्यालय पहुंचकर वह प्रदेश पदाधिकारियों, क्षेत्रीय अध्यक्षों और जिला अध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे। शनिवार शाम 4 बजे हनुमान सेतु मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप-मुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक और भाजपा सांसदों, विधायकों के साथ बैठक करेंगे। रात्रि का भोजन वह मुख्यमंत्री योगी के साथ करेंगे।

रविवार, 5 जुलाई को नितिन नबीन भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्षों के साथ चाय पर संवाद करेंगे। सुबह 9:30 बजे वह एनडीए नेताओं के साथ संयुक्त बैठक करेंगे।



गरवी गुजरात हिन्दी



JioTV CHENNAL NO. 2002



Jio Air Fiber



Jio tv +



Jio Fiber



Daily Hunt



ebaba Tv



Dish Plus



DTH live OTT



Rock TV



Airtel



Amezone Fire



Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार प्राप्त करने के लिए आज ही गरवी गुजरात हिंदी चैनल देखिये

सम्पादकीय

प्रगाढ़ होते भारत–जापान सम्बंध

दिल्ली के हैदराबाद हाउस में आयोजित 'भारत–जापान वार्षिक समिट' में हिस्सा लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री सनाए इकरायची ने वृहत्संतिवार को संयुक्त वार्ता की जिसमें दोनों नेताओं ने दोनों देशों की साझेदारी को और अधिक सुदृढ़ करने का संकल्प लिया।

दरअसल हैदराबाद हाउस में ही दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच द्विपक्षीय वार्ता भी हुई जिसमें पिछले एक वर्ष में जो 120 नए व्यावसायिक समझौते हुए हैं उन पर चर्चा हुई। असल में इन समझौतों के फलीभूत होने पर भारत में जापान द्वारा 10 बिलियन डालर से ज्यादा भारत में निवेश किया जाना है। इसके अतिरिक्त दोनों देशों के नेताओं ने निवेश, रक्षा, सेमीकंडक्टर, ब्रिटिकल मिनरल्स, सप्लाई चेन, समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर वार्ता हुई। आज दुनिया के लिए जितने भी महत्वपूर्ण मुद्दे महत्वपूर्ण हैं उन सभी पर दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने चर्चा की। मजे की बात तो यह है कि भारत के लिए रूस जितना महत्वपूर्ण है सुरक्षा क्षेत्र में मित्र है, जापान उतना ही अच्छा सहयोगी ढांचागत विकास के क्षेत्र में है।

भारत में सुजुकी प्लांट हो या मेट्रो रेल, सब वुछ जापान के सहयोग से ही संभव हुआ है। जापान ने हमेशा भारत के साथ ईमानदारी से व्यावसायिक रिश्ते को आगे बढ़ाया है। इसी आशा और विश्वास के कारण भारत ने निवेश, ब्रिटिकल मिनरल और सेमी कंडक्टर के लिए जापान से सहयोग की उम्मीद की है। जापान भू-भाग और जनसंख्या की दृष्टि से तो बहुत छोटा देश है किन्तु सामरिक विश्लेषण, निवेश, इलेक्ट्रानिक, एआई और ढांचागत विकास में एक निपुण, ऐसा देश है जो मित्रता अर्थ भी समझता है और मित्रता निभाना भी जानता है।

भारत और जापान क्वाड यानि चतुर्भुज सुरक्षा संवाद के सदस्या भी हैं। क्वाड में जितने भी सदस्य हैं सभी की सामान्य रूप से चीन की वुटिल वूटनीतिक परेब से चिन्ता है। एक तरफ जहां चीन भारत की सीमाओं पर दशकों पूर्व हड़पी हुई जमीन पर रक्षा-ढांचे विकसित कर रहा है और भारत के पड़ोसियों को बहला–फुसलाकर भारतीय हितों के खिलाफ षड्यंत्र करता है ठीक उसी तरह वह जापान के वुछ द्वीपों जैसे सेनकाक्वू द्वीप समूह पर अपना दावा करता है। यह द्वीप जापान के ओकीनावा प्रान्त का हिस्सा है और एक प्रशासक भी जापान सरकार का ही है। किन्तु चीन ने इस द्वीप का नामकरण 'दियाओयू' के नाम से अपना अधिकार जमाने के लिए कर रखा है।

मतलब यह कि भारत और जापान दोनों ही चीन की विस्तारवादी वूटनीति से त्रस्त है इसलिए दोनों देशों के बीच संबंध प्रगाढ़ हो रहे हैं। सच तो यह है कि क्वाड का गठन ही जापान की पहल पर हुआ है। चीन की समुद्री सीमाओं में दखल की गतिविधियों को देखते हुए भारत और जापान का एक साथ रहना दोनों के हित में है।

बहरहाल जापान के सम्बन्ध भारत से न सिर्फ ऐतिहासिक हैं बल्कि सांस्कृतिक भी हैं। बौद्ध धर्म के अनुयायी जापान में ज्यादा हैं और इसी वजह से जापान के लोग भारत से ज्यादा स्नेह भी करते हैं। किन्तु जहां तक व्यवसाय एवं रणनीतिक सम्बन्धों का सवाल है, भारत और जापान के बीच सम्बन्धों की नींव आपसी समझ, विश्वसनीयता एवं भरोसे पर टिकी हुई है।

जापान जानता है कि वह भारत में जो भी निवेश करता है, वह सुरक्षित होता है। भारत भी ईमानदारी से जापानी निवेश का लाभ उठाता है और जापान के साथ किसी भी तरह विश्वासघात न होने की गारंटी देता है।

विदेशों में भारत और जापान के बीच प्रोजेक्ट साझेदारी में सफलतापूर्वक पूर्ण हुए हैं। वुल मिलाकर भारत–जापान के सहयोग मैत्री देश–विदेश में इतने सफल साबित हुए हैं कि इसे 'साझावाद' कहें तो ज्यादा उचित होगा।

एक हजार दिन,लाखों जिंदगियां और 4 बड़े सवाल! फिलिस्तीनी राजदूत ने दुनिया से पूछा– आखिर कब मिलेगा जवाब

(जीएनएस)।

गाजा युद्ध शुरू हुए 3 जुलाई को 1000 दिन पूरे हो चुके हैं। इस मौके पर भारत में फिलिस्तीन के दूतावास ने एक लंबा लेख जारी किया है। यह लेख भारत में फिलिस्तीन के राजदूत अब्दुल्ला एम. अबू शावेश ने लिखा है। इसमें उन्होंने गाजा युद्ध, इजरायल–फिलिस्तीन संघर्ष और अंतरराष्ट्रीय राजनीति से जुड़े कई बड़े सवाल उठाए हैं।यह लेख किसी अदालत का फैसला या किसी अंतरराष्ट्रीय जांच रिपोर्ट नहीं है।

ये गजा की बवादी और लाखों

दफन मासूम जिंदगियों के फैसलो को लेकर फिलिस्तीन की आधिकारिक राय और उसका पक्ष है। इसमें राजदूत ने चार बड़े सवालों के जरिए अपनी बात रखने की कोशिश की है। न्होंने इस लेख में चार बहुत ही सीधे और सरल सवाल उठाए हैं–क्यों? क्या? कौन? और कहां?

जख्म और तबाही के 1000 दिन...

लेकिन क्या दुनिया ने कुछ सीखा?

इसकी शुरुआत एक भावुक सवाल से होती है। फिलिस्तीनी राजदूत अब्दुल्ला एम. अबू शावेश लिखते हैं कि 1000 दिन बीत गए।हजारों परिवार बिखर गए।लाखों लोग बेघर हो गए। हजारों बच्चों ने अपने माता–पिता खो दिए। लेकिन दुनिया आज भी कई जरूरी सवालों का जवाब नहीं दे पाई। देखा जाए तो 7 अक्टूबर 2023 सिर्फ एक तारीख नहीं थी। उस दिन ने पूरी दुनिया की राजनीति, अंतरराष्ट्रीय कानून और इंशानियत को एक नई चुनौती दी।

पहला सवाल– आखिर यह सब क्यों हुआ?

गजा की तस्वीर को 7 अक्टूबर की घटना यानी महज उस दिन से नहीं देखा जाना चाहिए। राजदूत अबू शावेश लिखते हैं–साल 1917 में ब्रिटेन ने 'बालफोर घोषणापत्र' के जरिए फलस्तीनीयों की पुश्तैनी जमीन को दूसरों को सौंपने का वादा कर दिया था।

साल 1948 में लाखों फलस्तीनियों को बंदूक की नोक पर उनके अपने ही घरों से बाहर निकाल दिया गया, जिसे

इतिहास में 'अल–नकबा' (तबाही) कहा जाता है। तब से लेकर आज तक



फलस्तीनी बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग अपने ही देश में बेघर शरणार्थी बनकर रह रहे हैं।

फिलिस्तीनी राजदूत ने कहा– गांधी जी के शांति के रास्ते पर चलने वाले फलस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने हमेशा शांति की बात की, लेकिन इस दर्द का कोई परमानेंट इलाज नहीं ढूंढा गया। अगर इतिहास को नजरअंदाज किया जाएगा तो असली वजह कभी समझ नहीं आएगी। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के उस बयान का भी जिक्र किया, जिसमें कहा गया था कि "7 अक्टूबर की घटना शून्य में नहीं हुई थी।"

दूसरा सवाल– 7 अक्टूबर को वास्तव में क्या हुआ?

7 अक्टूबर को जो कुछ हुआ, उसके बारे में दुनिया के सामने अलग–अलग दावे आए। कुछ आरोप लगाए गए। कुछ वीडियो सामने आए। कई बातें अंतरराष्ट्रीय मीडिया में चलीं। उसके बाद कई गंभीर आरोप भी लगाए गए। राजदूत का दावा है कि कुछ आरोपों के सार्वजनिक और स्वतंत्र प्रमाण अब तक सामने नहीं आए हैं। इसी वजह से उन्होंने मांग की है कि 7 अक्टूबर की घटनाओं की एक स्वतंत्र और अंतरराष्ट्रीय जांच होनी चाहिए।

लेकिन उस सुबह के बाद जो हुआ, उसने इंसानियत को शर्मसार कर दिया। 73,000 से ज्यादा बेकसूर लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें सबसे ज्यादा संख्या नन्हें बच्चों और बेबस माताओं की है। बच्चों की भूखा रखकर तड़पाया जा रहा है, दवाइयों की कमी

'न्यूक्लियर बम न होता तो कोई पूछता भी नहीं', इंटरनेशनल मंच पर किसने उतारी पाकिस्तान की पतलून?

(जीएनएस)।

दुनिया भर में पाकिस्तान अपनी कूटनीति को मजबूत दिखाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन उसकी असली तस्वीर अब भी चिंता बढ़ाने वाली है। सिंगापुर के विदेश मंत्रालय के पूर्व सचिव बिलाहारी कौसिकन ने पाकिस्तान को लेकर बेहद सख्त टिप्पणी की है। उनका कहना है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मिली छोट–मोटी कूटनीतिक सफलताएं इस सच को नहीं बदल सकतीं कि पाकिस्तान आज भी एक विफल राष्ट्र (ब्रॅड्री र३शे) बनने की कगार पर खड़ा है।

उन्होंने यह बात 'नेशनल प्रेस फाउंडेशन' के एक कार्यक्रम में कही। कार्यक्रम का विषय था 'अस्थिर वैश्विक भू–राजनीतिक समय में दृष्टिकोण बनाए रखना'। इसी दौरान एक पाकिस्तानी पत्रकार ने देश के भविष्य को लेकर सवाल पूछा, जिसके जवाब में कौसिकन ने पाकिस्तान की हालत पर खुलकर अपनी राय रखी।

'कूटनीति से पेट नहीं भरता'

बिलाहारी कौसिकन ने कहा कि पाकिस्तान की सेना और उसका कूटनीतिक तंत्र वैश्विक राजनीति में मौके तलाशने में काफी तेज है। इसी वजह से पाकिस्तान समय–समय पर अमेरिका जैसे बड़े देशों के साथ अपने रिश्तों को बेहतर बनाने में सफल भी रहा है। लेकिन उन्होंने साफ कहा कि विदेश नीति की कामयाबी से देश की जनता की समस्याएं खत्म नहीं होतीं। अगर अर्थव्यवस्था कमजोर हो, बेरोजगारी बढ़ रही हो और आम लोगों की जिंदगी मुश्किल हो, तो सिर्फ कूटनीतिक सफलता से देश आगे नहीं बढ़ सकता।

'फैल्ड स्टेट' बनने के बेहद क़रीब पाकिस्तान कौसिकन के मुताबिक पाकिस्तान लंबे समय से एक 'फैल्ड स्टेट' बनने की सीमा पर खड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि यह राहत की बात है कि पाकिस्तान अब तक पूरी तरह ढहा

बेबी डू डाई डू : भारत की पहली

फिल्म: बेबी डू डाई डू , स्टारकास्ट: हुमा कुरैशी, सिंकरद खेर, चंकी पांडे, सीमा पाहवा, डायरेक्टर: नचिकेत सामंत, रन टाइम: 2 घंटे 05 मिनट, स्टार: 3

बॉलीवुड में पिछले कुछ वर्षों में महिला–केंद्रित फिल्मों ने अपनी अलग पहचान बनाई है। इसी कड़ी में निर्देशक नचिकेत सामंत की फिल्म 'बेबी डू डाई डू' एक बिल्कुल ही अलग किस्म का और दिलचस्प कॉन्सेप्ट लेकर आती है। ये फिल्म एक ऐसी महिला सुपारी किलर की कहानी है, जो बोल और सुन नहीं सकती लेकिन अपने साहस, सूझबूझ और एक्शन से हर मुश्किल का सामना करती है।

ये सिर्फ एक क्राइम थ्रिलर नहीं बल्कि डार्क कॉमेडी, मिस्ट्री और हाई–ऑक्टेंड एक्शन का ऐसा मिश्रण है, जो दर्शकों को शुरूआत से अंत तक बांधे रखने की कोशिश करता है।

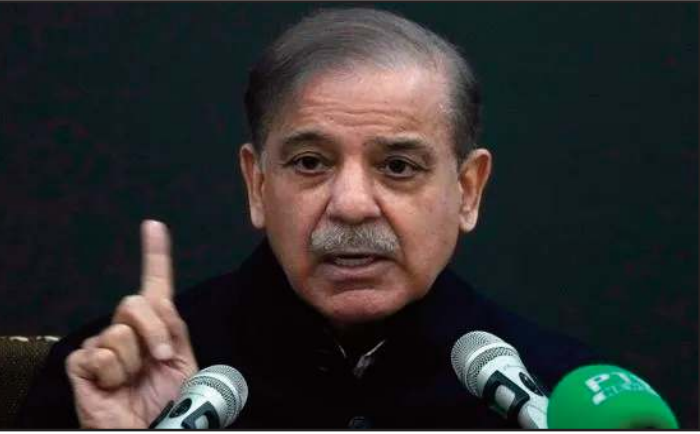
इस रिव्यू में आएए जानते हैं कैसी है ये फिल्म ?

क्या है फिल्म 'बेबी डू डाई डू' की कहानी?

–कहानी शुरू होती है दो जुड़वा लड़कियों से जिनमें से एक का नाम बेबी है, जो बचपन से ही गुंगी और बहरी है। दोनों लड़कियां अपने घर के नजदीक एक खाली पड़े 5 स्टार होटल में घूमने जाती हैं। वहां पर दोनों एक मर्डर होते हुए देख लेती हैं। इसके बाद हत्यारे ने बेबी की बहन को गला घोट के मार दिया। तभी से बेबी बदले की आग में जलने लगती है फिर वह पीएम जैन से संपर्क में आती है जो उसको सुपारी किलिंग की काली दुनिया में धकेल देता है।

–बेबी अपने काम में माहिर है और बहुत ही सफाई से मर्डर करती है, ख़ास बात ये है कि मर्डर के लिए वह छाते का इस्तेमाल करती है जो देखने में दिलचस्प लगता है। दूसरी

नहीं है, लेकिन इसकी मौजूदा स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है। उन्होंने



चेतावनी दी कि अगर पाकिस्तान ने अपनी अंदरूनी समस्याओं और कमजोर संस्थाओं को मजबूत नहीं किया, तो आने वाले समय में हालात और ज्यादा खराब हो सकते हैं।

आतंकवाद सबसे बड़ी कमजोरी
सिंगापुर के पूर्व राजनयिक ने कहा कि अमेरिका और पश्चिमी देशों का

पाकिस्तान पर पूरा भरोसा आज भी नहीं बन पाया है। उनकी राय में

इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि पाकिस्तान की जमीन पर अब भी कई कट्टरपंथी और आतंकवादी संगठन एक्टिव हैं, जो पश्चिमी देशों के लिए सुरक्षा चिंता बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सेना की रणनीतिक क्षमता अपनी जगह है, लेकिन आतंकी संगठनों को सालों तक बढ़ावा देना

'देसी हिटवुमन' की कहानी, हुमा कुरैशी का दिखा सुपारी किलर अवतार

खासियत ये है कि बेबी बोल और सुन नहीं सकती लेकिन उसकी खामोशी ही उसकी सबसे बड़ी ताकत बन जाती है। बेबी एक के बाद एक मर्डर की



सुपारी लेती जाती है, हत्याओं का सिलसिला चल पड़ता है लेकिन उसका असली मकसद उसकी बहन के हत्यारे को ढूंढना है। क्या वह अपने मकसद में कामयाब हो पाएगी या नहीं इसके लिए आपको देखनी पड़ेगी ये फिल्म।

फिल्म की स्टारकास्ट और उनका दमदार अभिनय

–सबसे पहले बात करते हैं फिल्म में लीड रोल निभाने वाली हुमा कुरैशी

की जिन्होंने बिना डायलॉग के अपने हाव–भाव, बॉडी लैंग्वेज और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के दम पर बेबी के किरदार को बेहद सशक्त और

प्रभावशाली बनाया है। एक प्रोफेशनल कान्ट्रेक्ट किलर के साथ बदले की आग में जलती एक बहन और अपने पति के प्यार को संभालने वाली बेबी को 3 अलग रूपों में दर्शाने का सफल प्रयास किया गया है। ये उनके करियर के बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक कहा जा सकता है।

–सिंकरद खेर अपने किरदार में पूरी तरह जमे नजर आते हैं और फिल्म को मजबूत सहारा देते हैं।

सिया गोयल को दोषी मत बनाओ', केतन अग्रवाल केस में नया मोड़, क्या फेमस फिल्ममेकर के बयान से बदल जाएगा गेम?

(जीएनएस)।
पुणे के चर्चित केतन अग्रवाल हत्याकांड को लेकर बॉलीवुड के फेमस डायरेक्टर संजय गुप्ता का एक सोशल मीडिया पोस्ट अब बड़े विवाद का कारण बन गया है। सिया गोयल के मामले पर अपनी राय रखते हुए संजय गुप्ता ने लोगों से जल्दबाजी में फैसला न सुनाने की अपील की है लेकिन उनकी ये टिप्पणी कई सोशल मीडिया यूजर्स को रास नहीं आई है। ऐसे में देखते ही देखते उनका पोस्ट वायरल हो गया और इंटरनेट पर तीखी प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई।

सिया गोयल के मामले पर क्या बोले संजय गुप्ता?
फिल्ममेकर संजय गुप्ता ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि किसी भी व्यक्ति को कोर्टके फैसले से पहले दोषी करार देना उचित नहीं है। उन्होंने लिखा है कि जिस तरह साल 2020 में एक्स्पे रिया चक्रवर्ती को लेकर मीडिया और सोशल मीडिया पर माहौल बनाया गया था, वैसी स्थिति दोबारा नहीं दोहराई जानी चाहिए।

फैसले से पहले किसी को अपराधी घोषित कर देना सही नहीं?
संजय गुप्ता ने अपने पोस्ट में कहा है कि वह किसी का पक्ष नहीं ले रहे हैं बल्कि केवल ये याद दिलाना चाहते हैं कि किसी मामले में अंतिम सच्चाई सामने आने से पहले सार्वजनिक रूप से किसी को अपराधी घोषित कर देना सही नहीं है। उनका कहना था कि रिया चक्रवर्ती के मामले में भी टीवी स्टूडियो और सोशल मीडिया पर पहले ही फैसला सुना दिया गया था जबकि कानूनी प्रक्रिया बाद में चली।

का गुस्सा
हालांकि संजय गुप्ता की ये अपील सोशल मीडिया पर भारी पड़ गई है। कई यूजर्स ने उसके बयान की आलोचना करते हुए कहा है कि केतन अग्रवाल हत्याकांड और रिया चक्रवर्ती के मामले को दोषी मानना ठीक नहीं है, तब इस तरह की तुलना लोगों की भावनाओं को आहत कर सकती है। कुछ यूजर्स ने बेहद तीखी भाषा में प्रतिक्रिया देते हुए निर्देशक के बयान को असंवेदनशील करार दिया है।

संजय गुप्ता पर भड़के यूजर्स– तुम जैसे लोग जिंदा कैसे हैं
–संजय गुप्ता के इसी पोस्ट को देख यूजर्स भड़क गए हैं और इसे बेतुका बताया गया है। उन्होंने संजय गुप्ता को बुरी तरह लताड़ा है। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा है–तुम जैसे लोगों को सिया या रिया के हाथों मर जाना चाहिए। अच्छे लोगों की हत्या हो रही है और तुम जैसे बेवकूफ, बिना दिमाग और रीढ़ की हड्डी वाले लोग

अभी भी जिंदा हैं। कलपुग में डाघन और राक्षस, सब कुछ देखने के मिलेगा।
–वहीं एक दूसरे शख्स ने लिखा है– ये आदमी तो पागल हो गया है। काश वह केतन की जगह होता और काश वह केतन की जगह होता और राक्षस, सब कुछ देखने के मिलेगा।
–वहीं एक दूसरे यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा है– बहुत ही धिनीनी सोच

और आर्थिक कुप्रबंधन देश की सबसे बड़ी गलतियों में शामिल है। जब तक इन समस्याओं का समाधान नहीं होगा, तब तक पाकिस्तान संकट से बाहर नहीं निकल पाएगा।

आर्थिक संकट ने तोड़ी कमर
पाकिस्तान इस समय गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। देश में महंगाई लगातार बढ़ रही है और ईंधन की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुकी हैं। हालात ऐसे हैं कि पाकिस्तान अपनी आर्थिक जरूरतों के लिए अंतरराष्ट्रीय कर्ज और क्टऋ के बेलआउट पैकेज पर काफी हद तक निर्भर हो गया है। विदेशी मुद्रा भंडार भी लगातार दबाव में है, जिससे आयात और विकास परियोजनाओं पर असर पड़ रहा है। आर्थिक कुप्रबंधन ने आम लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

सुरक्षा और मानवाधिकार भी बड़ी चुनौती
आर्थिक संकट के साथ–साथ

उनकी स्क्रीन प्रेजन्स काफी अच्छी है। एक शांतिर बिल्डर जफर के किरदार में दर्शकों के दिल में जगह बनाने में वह सफल रहे हैं।

–चंकी पांडे ने फिल्म में बेबी के पप्पा पीएम जैन का किरदार निभाया है और इस रूप में दर्शकों को वह एकदम अलग अंदाज से प्रभावित करते हैं जबकि सीमा पाहवा हमेशा की तरह सहज और असरदार अभिनय करती हैं और इस फिल्म में भी उन्होंने वही सहजता दिखाई है।

–विद्या मालवडे और हिमांशु मलिक अपने–अपने किरदारों के साथ न्याय करते हैं। रूपेश बने, अरुण कुशवाह, मरुधर शेखावत और रचित सिंह भी कहानी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं और अपने किरदारों को विश्वसनीय बनाते हैं।

निर्देशन और तकनीकी पहलू
–निर्देशक नचिकेत सामंत ने एक अलग और साहसिक विषय को मनोरंजक अंदाज में पदं पर उतारा है। उन्होंने क्राइम, मिस्ट्री, डार्क ूमर और एक्शन के साथ इमोशनल रोमांस का संतुलन बनाए रखा है। फिल्म की रफ्तार एक दो जगह छोड़कर

पाकिस्तान सुरक्षा के मोर्चे पर भी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। जिन उग्रवादी संगठनों को कभी रणनीतिक कारणों से बढ़ावा दिया गया था, वही अब देश के लिए बड़ी सुरक्षा समस्या बन चुके हैं। इसके अलावा धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और जबरन धर्म परिवर्तन जैसे मुद्दों को लेकर भी पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार आलोचना हो रही है। यूनाइटेड नेशन्स समेत कई वैश्विक मंचों पर इन मामलों को गंभीर चिंता का विषय बताया गया है।

पाकिस्तान के लिए सख्त संदेश
ये पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय मंच पर घनघोर बेइज्जती हुई हो। बावजूद इसके पाकिस्तान सुधरने की कोशिश करता नहीं दिख रहा। सरकार पंगु है और जनता भूख से तड़प रही है। ऐसे में इस तरह के बयान पाकिस्तान की जनता की आंख खोल सकते हैं।

अधिकांश समय बनी रहती है और कहानी कहीं भी अनावश्यक रूप से भटकती नहीं है।

–फिल्म की सिनेमैटोग्राफी मुंबई के अंडरवर्ल्ड के माहौल को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करती है। एक्शन सीक्वेंस स्टाइलिश हैं और बैकग्राउंड स्कोर सर्रप्स को और अधिक प्रभावशाली बनाता है। एडिटिंग भी चुस्त है, जिसकी वजह से 2 घंटे 5 मिनट की फिल्म कहीं भी बोझिल महसूस नहीं होती।

फाइनल वर्डिक्ट
'बेबी डू डाई डू' मूवी एक अलग सोच के साथ बनाई गई मनोरंजक क्राइम थ्रिलर है, जिसकी सबसे बड़ी ताकत इसकी कहानी और हुमा कुरैशी का शानदार अभिनय है। फिल्म सर्रप्स, एक्शन, थ्रिल का संतुलित मिश्रण पेश करती है और कहानी में कई अप्रत्याशित मोड़ दर्शकों को अंत तक बांधे रखते हैं। यदि आप सर्रप्स और थ्रिल से भरपूर, स्टाइलिश और कुछ नया देखने के शौकीन हैं, तो ये फिल्म आपको वॉचलिस्ट में जरूर होनी चाहिए।



है। तुम्हारे बेटे या बेटी के साथ ऐसा होता, मर्डर हो जाता तब भी यही कहते? तुम्हारे बच्चों और तुम पर

तरस आता है। एक और यूजर ने लिखा है–

क्या तुम यही बात तब भी कहते अगर तुमने अपना बेटा खो दिया होता? तुम्हारे बच्चों और तुम पर तरस आता है। तुम एक ऐसे इंसान हो, जिसके अंदर कोई इमोशन नहीं। पुम पिता नहीं हो सकते। तुम्हें शर्म आनी चाहिए।

क्यों याद किया जा रहा है रिया चक्रवर्ती का मामला?

–संजय गुप्ता के बयान के बाद एक बार फिर साल 2020 का बुरा याद आता है। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा है–तुम जैसे लोगों को सिया या रिया के हाथों मर जाना चाहिए। अच्छे लोगों की हत्या हो रही है और तुम जैसे बेवकूफ, बिना दिमाग और रीढ़ की हड्डी वाले लोग अभी भी जिंदा हैं। कलपुग में डाघन और राक्षस, सब कुछ देखने के मिलेगा।

–वहीं एक दूसरे शख्स ने लिखा है– ये आदमी तो पागल हो गया है। काश वह केतन की जगह होता और काश वह केतन की जगह होता और राक्षस, सब कुछ देखने के मिलेगा।

–उस समय ड्रप्स से जुड़े एक मामले में रिया और उनके भाई का नाम सामने आया था, जिसके बाद उन्हें कानूनी प्रक्रिया का सामना करना पड़ा था। पूरे घटनाक्रम के दौरान टीवी डिबेट्स और सोशल मीडिया पर रिया चक्रवर्ती को लेकर खूब चर्चा हुई थी। बाद में जब कानूनी जांच आगे बढ़ी और मामला कोर्ट तक पहुंचा तो रिया को इंसाफ मिला।

केतन अग्रवाल हत्याकांड में अब तक क्या सामने आया?

पुणे में सामने आए केतन अग्रवाल हत्याकांड ने पूरे देश का ध्यान अपनी

चंदा चोरी के खिलाफ 79 साल की उम्र में 1000 किमी. की पद यात्रा करेंगे पूर्व सीएम, अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिए दिए थे 1.11 लाख रुपये

अयोध्या में कथित चंदा चोरी को लेकर दिग्विजय सिंह ने बड़ी घोषणा की है। दिग्विजय सिंह ने कहा कि वह महाकाल से अयोध्या तक पद यात्रा करेंगे।

(जीएनएस)।
भोपाल: मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह एक बार फिर से पद यात्रा करेंगे। इस बार उनकी पद यात्रा अयोध्या में राम मंदिर में कथित चंदा चोरी को लेकर है। पूर्व सीएम ने घोषणा करते हुए कहा कि यह यात्रा पूरी तरह से गैर राजनीतिक होगी। इस यात्रा में किसी भी पार्टी का झंडा नहीं होगा। जिन लोगों की और जिन पार्टियों की आस्था राम में है वह लोग इस यात्रा में शामिल हो सकते हैं।

2 अक्टूबर से शुरू होगी यात्रा
शुक्रवार को दिग्विजय सिंह ने भोपाल में मीडिया से चर्चा करते हुए कहा- 2 अक्टूबर से उज्जैन के महाकाल मंदिर से अयोध्या स्थित राम जन्मभूमि तक करीब 1000 किलोमीटर की पदयात्रा शुरू करेंगे।

अयोध्या में ग्राम प्रधान पर डीएम की बड़ी कार्रवाई, प्रशासक पद से हटाया; वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार भी सीज

अयोध्या में सरकारी धन के उपयोग में कथित वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत पर जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है. डीएम ने संबंधित ग्राम प्रधान को प्रशासक पद से हटा दिया है. साथ ही उनके वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार भी तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर दिए गए हैं. प्रशासन का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच जारी है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी. इस फैसले के बाद जिले की पंचायतों में प्रशासनिक सख्ती को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं.

(जीएनएस)।
अयोध्या: उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में सरकारी धन के कथित दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत पर जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है. जहां जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायत गरेली के ग्राम प्रधान राज नारायण को

हालांकि उन्होंने अपनी यात्रा के बारे में यह जानकारी नहीं दी है कि यह यात्रा कितने दिनों की होगी। दिग्विजय सिंह की उम्र अभी 79 साल है। ऐसे में



उनके यात्रा करने की घोषणा ने एक बार फिर से सियासत तेज कर दी है। गैर-राजनीतिक होगी दिग्विजय सिंह की यात्रा

दिग्विजय सिंह ने कहा कि यह पदयात्रा पूरी तरह गैर-राजनीतिक

होगी। इसमें कांग्रेस का प्रचार नहीं होगा और वे यात्रा के दौरान फेसबुक, ट्विटर समेत किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल नहीं करेंगे।

हाउस पर भी उठाए सवाल
पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने आरएसएस और वीएचपी की आर्थिक पारदर्शिता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि उज्जैन के महाकाल मंदिर क्षेत्र की कीमती जमीन पर आरएसएस से जुड़े ट्रस्ट ने गेस्ट हाउस बनाया। अब वहां 100 कमरों का होटल तैयार किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि वहां ठहरने वालों को वीआईपी दर्शन की सुविधा मिलती है और चंदे के उपयोग की भी जांच होनी चाहिए।
क्यों की है घोषणा
दरअसल, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए जुटाए गए चंदे में कथित अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। इस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार ने एक्शन लिया है। दिग्विजय सिंह भी इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग रहे हैं। ऐसे में दिग्विजय सिंह ने यात्रा करने की घोषणा की है। बता दें कि इससे पहले दिग्विजय सिंह अपनी पत्नी के साथ नर्मदा परिक्रमा कर चुके हैं।

महाकाल मंदिर में बने गेस्ट

अयोध्या में ग्राम प्रधान पर डीएम की बड़ी कार्रवाई, प्रशासक पद से हटाया; वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार भी सीज

प्रशासक पद से हटा दिया है. इसके साथ ही उनके वित्तीय और

संबंधित अधिकारियों से जांच कराई गई. प्रारंभिक जांच में शिकायत को



प्रशासनिक अधिकार भी तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर दिए गए हैं. प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई प्रारंभिक जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर की गई है और मामले की विस्तृत जांच अभी जारी है.

व्या है पूरा मामला?
जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत गरेली में सरकारी धन के उपयोग और पंचायत के विकास कार्यों में कथित अनियमितताओं को लेकर जिला प्रशासन से शिकायत की गई थी. शिकायत मिलने के बाद

गंभीर मानते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल प्रशासनिक कार्रवाई का फैसला लिया.
डीएम ने जारी किया आदेश
जिलाधिकारी के आदेश के तहत ग्राम प्रधान राज नारायण को प्रशासक के पद से हटा दिया गया है. साथ ही उनके वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार भी तत्काल प्रभाव से वापस ले लिए गए हैं. यानी अब वह पंचायत के बैंक खाते के संचालन, सरकारी धन के उपयोग या किसी प्रशासनिक निर्णय में भाग नहीं ले सकेंगे.

अयोध्या के बाद बदरीनाथ धाम में चढ़ावे में हेरा-फेरी के आरोप, मंदिर समिति ने बैठाई जांच; जारी की नई गाइडलाइन

बदरीनाथ धाम में दान और चढ़ावे की रकम में हेराफेरी के गंभीर आरोप लगे हैं, जिसके बाद श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने जांच समिति गठित कर विभागीय जां ...और पढ़ें (जीएनएस)।
गोपेश्वर (चमोली)। अयोध्या में राम मंदिर के बाद चमोली जिले में स्थित बदरीनाथ धाम में भी श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के कर्मचारियों पर दान और चढ़ावे की रकम में हेराफेरी के गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए मंदिर समिति के स्तर से इसकी विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। साथ ही गाइडलाइन जारी कर दान व चढ़ावे को लेकर सतर्कता बरतने को कहा गया है।

वहीं, मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी का कहना है कि जांच में यदि कोई भी कर्मचारी दोषी पाया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बताया गया कि भैरव सेना नामक संगठन ने दान-चढ़ावे में हेराफेरी को लेकर एक शिकायती पत्र मंदिर समिति के सीईओ को दिया है।

हालांकि, संगठन ने जो आरोप लगाए हैं, उनके पक्ष में कोई प्रमाण उपलब्ध नहीं कराया है। फिर भी मंदिर समिति की ओर से जांच समिति गठित करने के साथ सीसीटीवी आदि को खंगाला जा रहा है।

बदरीनाथ धाम को देश के चारों धाम में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है और देश-विदेश के करोड़ों लोगों की आस्था इससे जुड़ी हुई है। ऐसे में यदि

बदरीनाथ मंदिर के भीतर ही चढ़ावे और दान के पैसों में हेराफेरी के आरोप लगते हैं तो यह बेहद चिंताजनक है।

यही वजह है कि अयोध्या में दान चोरी प्रकरण के बाद बदरीनाथ व केदारनाथ धाम सहित अन्य मंदिरों की व्यवस्था को देखने वाली समिति भी सतर्क हो गई है।

इसी कड़ी में श्री बदरीनाथ-

कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।
श्रद्धालु गिनते हैं दान की राशि

बदरीनाथ धाम में दान की राशि गिनने के लिए मंदिर कर्मचारियों के साथ श्रद्धालुओं को भी लगाया जाता है। दान पात्रों में डाली गई राशि को वहां तैनात नामक श्रद्धालुओं व मंदिर कर्मचारियों के सामने खाली किया जाता है।

के अंतराल दान राशि या फिर पात्र में डाले गए दान वस्तु की गिनती होती है। धनराशि को गिनती के बाद सीधे बैंक और वस्तुओं को मंदिर समिति के खजाने में जमा किया जाता है।

कर्मचारी महासंघ ने की निष्पक्ष जांच की मांग

इस प्रकरण में अब श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति कर्मचारी महासंघ ने भी मोर्चा संभाल लिया है।



केदारनाथ मंदिर समिति के सीईओ सोहन सिंह रांगड़ की ओर से जारी आदेश में समिति के अधीनस्थ मंदिर, धर्मशाळा, कार्यालयों व खजाने में प्रभारी अधिकारियों को गाइडलाइन जारी कर पारदर्शिता बरतने को कहा गया है।

अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने के साथ निगरानी रखने के लिए भी कहा गया है। साथ ही आगाह किया गया है कि किसी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध

सीसीटीवी व मंदिर के वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में होने वाली गिनती के बाद राशि वहीं पर मौजूद बैंक कर्मचारी के सुपुर्द कर दी जाती है। बैंक कर्मचारी इस राशि की दोबारा गिनती कर उसे जमा करता है।

जिन श्रद्धालुओं को स्वच्छता से गिनती में लगाया जाता है, उनका रिकार्ड भी मंदिर समिति के पास मौजूद होता है।

यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने के साथ हर दूसरे दिन व यात्रियों की संख्या कम होने पर दो से तीन दिन

महासंघ के अध्यक्ष विजेंद्र बिष्ट ने समिति को पत्र लिखकर इस मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच कराने का अनुरोध किया है।

उन्होंने कहा कि चढ़ावा, दान सामग्री और अन्य माध्यमों से प्राप्त होने वाली आय में यदि कहीं भी कोई गड़बड़ी हुई है तो उसकी गंभीरता से जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

उनका यह भी कहना है कि जांच में आरोप असत्य या भ्रामक पाए जाने पर ऐसे तत्वों के विरुद्ध कानूनी

न्यूमरोलॉजी पर आधारित प्रणिता घोड़े की अनूठी कला प्रदर्शनी 'ग्रह पूर्ति यन्त्रम' का मुंबई में श्रीमती मंजू लोढ़ा द्वारा शुभारम्भ

(जीएनएस)।
मुंबई, 3 जुलाई। न्यूमरोलॉजी पर आधारित चित्रकला की नई विधा की शुरुआत करने वाली मशहूर चित्रकार सुश्री प्रणिता घोड़े की अनूठी कला प्रदर्शनी "ग्रह पूर्ति यन्त्रम" 2 जुलाई, 2026 से मुंबई में शुरू हुई, जो आगामी 5 जुलाई, 2026 तक सभी दर्शकों के निःशुल्क अवलोकनार्थ खुली रहेगी। प्रदर्शनी का उद्घाटन सुप्रसिद्ध समाज सेविका, वरिष्ठ साहित्यकार और लोढ़ा फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती मंजू लोढ़ा ने किया। इस चार दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए श्रीमती मंजू लोढ़ा ने कहा कि कला जीवन में बड़े उद्देश्यों के लिए हमें प्रेरित करती है।

यह जानकारी देते हुए मुंबई महानगर की प्रमुख सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था और प्रदर्शनी के आयोजक "आकृति आर्ट फाउंडेशन" के डायरेक्टर मनमोहन जायसवाल ने बताया कि यह अनूठी कला प्रदर्शनी मुंबई के भूलाभाई देसाई रोड स्थित सिमरोजा आर्ट गैलरी में लगाई गई है। उन्होंने बताया कि चित्रकार प्रणिता घोड़े की पेंटिंग्स विशेषकर प्रत्येक इंसान के लिए अलग होती हैं। वे हर व्यक्ति की जन्म तिथि के गणितीय समीकरण के आधार पर पेंटिंग्स का सृजन करती हैं, जो उसके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं। 2 जुलाई,



मुंबई में न्यूमरोलॉजी पर आधारित चित्रकार सुश्री प्रणिता घोड़े की अनूठी कला प्रदर्शनी "ग्रह पूर्ति यन्त्रम" का शुभारम्भ करते हुए सुप्रसिद्ध समाज सेविका श्रीमती मंजू लोढ़ा। दो अन्य तस्वीरों में मीडिया से संवाद और विभिन्न विशिष्ट अतिथियों के दृश्य।

2026 क की शाम इस कला प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में अन्य विशिष्ट अतिथियों के रूप में जस्टिस के. तातेड और वरिष्ठ उद्योगपति गणपत कोठारी के अलावा समाजसेवी आदित्य सक्सेरिया, श्रीमती लीना चोपड़ा, डॉली ठाकोर, शहनाज खान, मालती जैन, आदित्य मोहता, पीयूष शर्मा, रमेश साबू, सुमन पारेख, प्रियांक पारेख , प्रीति शाह, भूषण जाधव, मेजर अरुण सिन्हा, विपुल दवे, लेखक विट्ठल घोड़े, चित्रकार एवं दिग्दर्शक शीतल दोड़के, गजानन लाहडकर और

विजय गायगवड़ी सहित विभिन्न प्रबुद्ध कला प्रेमी मौजूद रहे। समारोह का संचालन सुश्री गजल शेख ने किया। उल्लेखनीय है कि सुश्री प्रणिता पिछले 15 वर्षों से न्यूमरोलॉजी के अंतर्गत भाग्यांक और मूलांक पर आधारित पेंटिंग करती हैं। इस बारे में सुश्री प्रणिता ने बताया कि पिछले 15 वर्षों के अध्ययन, अनुभव और निरंतर शोध के आधार पर उन्होंने जन्मतिथि के अंकों पर आधारित व्यक्तिगत 'ग्रहपूर्ति यंत्र' की संकल्पना विकसित की है। इस प्रक्रिया में

व्यक्ति की जन्मतिथि के अंकों के संतुलन, उनके गणितीय सम्बंधों का अध्ययन तथा उन्हें कलात्मक रूप में कैनवास पर प्रस्तुत करना शामिल है। उनका मानना है कि यह कला, न्यूमरोलॉजी और रचनात्मक अभिव्यक्ति का एक अनूठा संगम है। उन्होंने कहा कि उनकी कला न केवल एक विजुअल व्यूटी है, बल्कि यह जीवन में अनुकूलता, सुख-शांति और समृद्धि भी लाती है। अपनी तरह की अनूठी इस प्रदर्शनी को देखने के लिए बड़ी संख्या में कला प्रेमी निरंतर पहुंच रहे हैं।

सैलरी 15 हजार और खरीद लिया 25 लाख का प्लॉट, लवकुश मिश्रा के 'अवैध' आशियाने पर कसा शिकंजा, पत्नी को नोटिस

अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दान राशि की कथित चोरी के मुख्य आरोपी लवकुश मिश्रा की पत्नी सुप्रिया मिश्रा को अयोध्या विकास प्राधिकरण (अऊअ) ने नोटिस दिया है। एडीए ने कहा है कि उन्होंने सोहावल में अपना घर बनाने में नियमों का उल्लंघन किया है। (जीएनएस)।

लखनऊ/अयोध्या: राम मंदिर में दान की कथित चोरी के मामले के साथ जुड़ी नई-नई बातें सामने आ रही हैं। अब अयोध्या विकास प्राधिकरण (अऊअ) ने एक कार्रवाई की है। प्राधिकरण ने दान में हेराफेरी के

मामले के मुख्य आरोपी लवकुश मिश्रा की पत्नी सुप्रिया मिश्रा को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह नोटिस उनके सोहावल में बन रहे एक घर के संबंध में है। प्राधिकरण का आरोप है कि इस भवन के निर्माण में नियमों का उल्लंघन किया गया है।



जारी हो सकता है मकान ढहाने का नोटिस

प्राधिकरण ने सुप्रिया मिश्रा को दिए गए नोटिस में कहा है कि उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई क्यों न की जाए? उनसे 15 दिन में जवाब देने के लिए कहा गया है। अधिकारियों ने संकेत दिया है कि यदि वे निर्धारित समय में संतोषजनक जवाब नहीं देती हैं तो प्राधिकरण उनका निमागंभीन मकान गिराने के लिए नोटिस जारी करने का कदम उठा सकता है।

प्लॉट 25 लाख का, रजिस्ट्री 8.8 लाख की!

अयोध्या विकास प्राधिकरण को मिली जानकारी के अनुसार, लवकुश की सैलरी 15,000 रुपये मासिक थी। उसने पिछले साल 16 अक्टूबर को अयोध्या जिले के सोहावल इलाके के बनीपुर में 1000 वर्ग फुट का प्लॉट खरीदा था। सेल डीड में इसकी

मजदूर 30 जून तक निर्माण का काम करते रहे। लवकुश के पड़ोसी राज कुमार पांडे ने कहा, 'मैं उनसे फरवरी में पूजा के दौरान मिला था। हाल ही में मीडिया के जरिए मुझे विवाद में उनकी भूमिका के बारे में पता चला। हम राज्य सरकार से अपील करते हैं कि उनकी संपत्ति को तोड़ा न जाए, क्योंकि इससे उनके घर के बगल में बने मकान भी क्षतिग्रस्त हो सकते हैं।

अधिकारी इस संपत्ति को सील कर सकते हैं ताकि कोई इसका इस्तेमाल न कर सके।'

कैसे खरीदी गई महंगी संपत्ति?

प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अनुराग जैन ने कहा है कि इंजीनियरिंग स्टाफ की ओर से निरीक्षण के बाद यह नोटिस जारी किया गया। लवकुश मिश्रा राम मंदिर में नगद राशि गिनने का काम करने वाले आउटसोर्स कर्मचारी थे। वे फिलहाल दान की कथित चोरी के मामले में जेल में बंद हैं। अयोध्या पुलिस ने उनके ठिकानों से करीब 14.3 लाख रुपये बरामद किए हैं। मामले की जांच कर रही एसआईटी को शक है कि यह संपत्ति गिरफ्तारी से पहले कथित तौर पर गिरफ्तार किए गए पैसों से खरीदी गई हो सकती है। सुत्रों ने बताया कि राम मंदिर में हेराफेरी के मामले में अन्य आरोपियों के खिलाफ भी इस तरह की कार्रवाई की जा सकती है।

पड़ोसी भवन गिरने की आशंका से परेशान
लवकुश मिश्रा ने फरवरी में भूमि पूजन के बाद शाउंड फ्लोर और पहली मंजिल के स्ट्रक्चर का निर्माण शुरू

रेलवे कर्मचारी बनकर ले लिया 15 लाख का लोन, लखनऊ में बड़ा बैंक फ्राँड; खुलासे से हर कोई हैरान



आरोपियों ने रेलवे के फर्जी दस्तावेज लगाकर बीओआई से 15 लाख का लोन ले लिया। दस्तावेजों की जांच करने पर फजीवांड़ा खुला। शाखा प्रबंधक ने मलिहाबाद थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। आगे पढ़ें पूरी खबर...

(जीएनएस)।
राजधानी लखनऊ में बैंक ऑफ इंडिया की शाखा डेडेमऊ, मलिहाबाद के ब्रांच मैनेजर सुधेंदु रंजन तिवारी ने तीन लोगों पर रेलवे के फर्जी दस्तावेज लगाकर 15 लाख रुपये लोन लेने का आरोप लगाया है। कोर्ट के आदेश पर

मलिहाबाद पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। सुधेंदु ने बताया कि 12 अगस्त 2024 को माल के बाजार गांव निवासी रामपाल ने बैंक में 15 लाख के पर्सनल लोन के लिए आवेदन किया था। लोन के गारंट राजजीपुरम के भपटामऊ निवासी रघुवीर कमला और ड्यू डेलीगेंस एजेंसी गोल्ड रश सर्विसेज थी। रघुवीर और रामपाल ने बैंक में अपना आधार कार्ड, पैन कार्ड और मंडल रेल प्रबंधक की ओर से जारी पहचान पत्र लगाए थे।

विज्ञापन

कि तब से अभी तक आरोपी रामपाल ने बैंक को लोन की एक भी किस्त नहीं दी। संपर्क करने पर आरोपी ने टालमटोल करना शुरू कर दिया। उनका कहना है कि रामपाल ने लोक धन का गबन किया है। इसमें उसका साथ रघुवीर और एजेंसी ने दिया है। सुधेंदु ने मामले की अर्जी कोर्ट में दायर की। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने तीनों पर कार्रवाई की। इम्पेक्टर सुरेंद्र भाटी ने बताया कि मामले की तपस्वी की जा रही है। बैंक ठगी संबंधी सभी दस्तावेज मांगे गए हैं। साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

मोजतबा नहीं तो कौन करेगा लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को सुपुर्द-ए-खाक ? कौन डालेगा पहली 3 मुट्ठी मिट्टी ? क्या कहता शिया कानून ?

ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के राजकीय जनाजे की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। लेकिन इस पूरे कार्यक्रम में एक बड़ी बात सबसे ज्यादा चर्चा में है। सुरक्षा कारणों से उनके बेटे और ईरान के संभावित तीसरे सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई अपने पिता के जनाजे में सार्वजनिक रूप से शामिल नहीं होंगे। ऐसे में ईरान में धार्मिक और कानूनी नियमों को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। मोजतबा की गैर-मौजूदगी से उठे दो बड़े सवाल (जीएनएस)।

मोजतबा खामेनेई के जनाजे में शामिल नहीं होने के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि शिया परंपरा के मुताबिक कब्र में पहली तीन मुट्ठी मिट्टी कौन डालेगा ? आमतौर पर यह जिम्मेदारी मृतक के सबसे करीबी पुरुष वारिस की होती है। दूसरा सवाल यह है कि जनाजे के दौरान अली खामेनेई के पार्थिव शरीर का आधिकारिक संरक्षक किसे माना जाएगा।

शिया कानून में बेटे की क्या होती है जिम्मेदारी ? शिया इस्लामी थियोलॉजी के मुताबिक, हर मृतक का एक कानूनी वारिस होना जरूरी माना जाता है। ग्रैंड अयातुल्ला अली अल-सिस्तानी के फतवों पर आधारित पुस्तक 'इस्लामिक लॉज ऑफ डेथ एंड बरियल' के मुताबिक, किसी पुरुष की मौत के बाद उसका बेटा ही मिट्टी

डालने का पहला जिम्मेदार व्यक्ति होता है। वही पूरे दफन की व्यवस्था की निगरानी करता है। अगर बेटा या कोई करीबी रिश्तेदार मौजूद नहीं हो, तो यह जिम्मेदारी इलाके के वरिष्ठ इमाम को दी जाती है। यही नियम अयातुल्ला अली खामेनेई के जनाजे में भी लागू किए जा रहे हैं। अगर परिवार मौजूद न हो तो



क्या होता है ? शिया इस्लामी कानून असाधारण परिस्थितियों के लिए भी रास्ता बताता है। अगर सुरक्षा खतरे या किसी अन्य वजह से परिवार का सदस्य अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो पाता, तो वरिष्ठ धार्मिक नेता या स्थानीय इमाम पूरी प्रक्रिया को पूरा करते हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होता है कि जनाजा धार्मिक नियमों के अनुसार पूरी गरिमा और सम्मान के साथ संपन्न हो। दफनाने से पहले कौन-कौन सी रस्में होती हैं ? शिया परंपरा के मुताबिक सबसे

पहले पार्थिव शरीर का 'गुस्त' यानी धार्मिक स्नान कराया जाता है। शव को केवल सामान्य या ठंडे बहते पानी से नहलाया जाता है। इसके बाद शरीर के कुछ हिस्सों पर कपूर लगाया जाता है और फिर सफेद कफन पहनाया जाता है। इसके बाद मुख्य इमाम की अगुवाई में सलात अल-जनाजा यानी जनाजे की नमाज अदा की जाती है।

दूर रहकर भी पिता को दे सकते हैं श्रद्धांजलि शिया नियमों के मुताबिक अगर कोई बेटा सुरक्षा कारणों से अंतिम जनाजे में मौजूद नहीं हो सकता, तो वह किसी सुरक्षित स्थान से सूरह अल-फातिहा पढ़ सकता है या अपने पिता के लिए दुआ कर सकता है। मोजतबा खामेनेई भी अपने पिता की याद में औपचारिक शोक संदेश जारी कर सकते हैं। बाद में सुरक्षा हालात सामान्य होने पर वह कब्र पर जाकर श्रद्धांजलि भी दे सकते हैं।

चार महीने बाद सुपुर्द-ए-खाक हो रहे खामेनेई अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत 28 फरवरी 2026 को ईरान संघर्ष के दौरान अमेरिका और इजरायल के ज्वॉइंट अटैक में हुई थी। इसके बाद उनका पार्थिव शरीर बेहद सुरक्षित स्थान पर रखा गया। अब अमेरिका के साथ संघर्षविराम होने के बाद ईरान ने पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका जनाजा शुरू करने का फैसला लिया है। सुरक्षा खतरे अभी भी बने हुए हैं, इसलिए मोजतबा को सार्वजनिक कार्यक्रम से दूर रखा गया है।

बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा की 'वाशिंग मशीन' वाली टिप्पणी को मिला उद्धव सेना का साथ, प्रियंका चतुर्वेदी बोलीं- थैंक यू जज साहब

(जीएनएस)। बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा मुंबई पुलिस की 'तड़ोपारी' कार्रवाई और महाराष्ट्र की मौजूदा दलबदल की राजनीति पर की गई तीखी टिप्पणियों के बाद सूबे का सियासी पारा सातवें आसमान पर

टिप्पणियों को शेयर करते हुए लिखा- "थैंक यू जस्टिस जामदार ।" किस टिप्पणी पर मचा है बवाल ? यह पूरा मामला सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया



पहुंच गया है। हाईकोर्ट के जस्टिस माधव जामदार द्वारा सरकार की तथाकथित 'वाशिंग मशीन' और 'हॉर्स ट्रेडिंग' (विधायकों-सांसदों की खरीद-फरोख्त) को लेकर किए गए कटाक्ष पर अब उद्धव ठाकरे गुट रूँ, रिल्ल वडळ खुलकर अदालत के समर्थन में उतर आया है। हाल ही में अपने 6 लोकसभा सांसदों के पाला बदलने के झटके से जूझ रही शिवसेना (UBT) की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया पर जज साहब की

(SDPI) के नेता सईद अहमद अब्दुल वाहिद चौधरी को एक साल के लिए मुंबई से तड़ोपार करने के पुलिसिया आदेश को रद्द करने के दौरान का है। जस्टिस जामदार ने सुनवाई के दौरान महाराष्ट्र विधानसभा की कार्यवाही और नेताओं के दलबदल पर बेहद कड़ा रुख अपनाया था। जज साहब ने भरी अदालत में कहा था-"परसों ही एक एक्सीडेंट में 10 साल के मासूम बच्चे की मौत हो गई, लेकिन राज्य की विधानसभा इस बात पर चर्चा कर रही थी कि पीठासीन अधिकारी का चुनाव कैसे हो रहा है और कौन किस पार्टी से कहां

भाग रहा है। यह क्या चल रहा है ? आप (याचिकाकर्ता) भी क्यों नहीं अपनी राजनीतिक पार्टी बदल लेते... वैसे भी पूरे महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर हॉर्स-ट्रेडिंग चल रही है। आपके खिलाफ कुछ ऋक्क दर्ज हैं, पाला बदलने के बारे में सोचिए, वहां एक वाशिंग मशीन है जिसमें सारे दाग धुल जाते हैं ।"

उद्धव सेना को क्यों दर्द दे गई यह टिप्पणी ? जानें अंदर की कहानी उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (UBT) के लिए हाईकोर्ट की यह टिप्पणी सीधे उनके घावों पर मरहम लगाने जैसी साबित हुई। दरअसल, पिछले महीने ही उद्धव गुट को एक बहुत बड़ा झटका लगा है, जब उनके 9 लोकसभा सांसदों में से 6 सांसदों ने अचानक पाला बदल लिया और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली मूल शिवसेना में शामिल हो गए। शिंदे गुट में शामिल होने वाले इन 6 सांसदों में बड़े नाम शामिल हैं: संजय दीना पाटिल संजय देशमुख संजय जाधव भाऊसाहेब वाकचौरे नागेश पाटिल अश्रीकर ओमप्रकाश राजे निंबालकर

पार्टी में हुई इस बड़ी बगावत के बाद उद्धव गुट लगातार शिंदे गुट और भाजपा पर 'ईडी-सीबीआई का डर' दिखाने और 'पैसों के दम पर' सांसदों

को खरीदने (हॉर्स-ट्रेडिंग) का आरोप लगा रहा था। ऐसे में जब खुद हाईकोर्ट के जज ने 'वाशिंग मशीन' और 'खरीद-फरोख्त' का जिक्र किया, तो उद्धव सेना को सरकार को घेरने का एक बड़ा कानूनी हथियार मिल गया।

'जनता को गुलाम नहीं बना सकते': विरोध प्रदर्शन पर कोर्ट का कड़ा रुख जस्टिस जामदार ने पुलिस को फटकार लगाते हुए कहा कि देश के नागरिकों को केंद्र सरकार की नीतियों (जैसे उअअ, ठफ्ठ और वक्फ संशोधन बिल) के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज उठाने और 'अमित शाह मुदाबार्द' या 'भाजपा सरकार मुदाबार्द' जैसे नारे लगाने का पूरा सवैधानिक अधिकार है। कोर्ट ने साफ कहा कि सिर्फ प्रदर्शनों में शामिल होने और नारे लगाने की वजह से किसी को तड़ोपार करना पूरी तरह से 'मलेफाइड' (दुर्भावनापूर्ण) है और यह संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 (गरिमा के साथ जीने का अधिकार) का सीधा उल्लंघन है।

अब इस फैसले और अदालत की टिप्पणियों को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में बहस तेज हो गई है। एक ओर विपक्ष इसे लोकतांत्रिक अधिकारों के समर्थन के रूप में देख रहा है, जबकि आगे इस पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं आने की संभावना बनी हुई है।

मासूमों को वाॅशिंग मशीन में बंद करने वाली केयरटेकर गिरफ्तार, वायरल वीडियो ने खोली पोल

(जीएनएस)। बेंगलुरु के एक क्लब पार्क के डेकेयर सेंटर में बच्चों के साथ हुई बेरहमी के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने आरोपी केयरटेकर विजयलक्ष्मी को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में उसे आरोपी नंबर दो बनाया गया है। यह घटना केपजेमिनी कंपनी के लअछ कैपस में चल रहे डेकेयर सेंटर की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वीडियो फुटेज की जांच के बाद केयरटेकर विजयलक्ष्मी की पहचान की गई थी। इसके तुरंत बाद ही उसे हिरासत में ले लिया गया। पुलिस कमिश्नर सीमंत कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी महिला को जल्द ही कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस उसकी कस्टडी मांगकर आगे की पूछताछ



करेगी ताकि सच सामने आ सके। इस गंभीर मामले पर कर्नाटक सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। कर्नाटक के कैबिनेट मंत्री प्रियांक खड़गे ने इस घटना पर गहरा रोष जताया है। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ ऐसा हिंसक बर्ताव किसी भी

एक निर्धारित मानक प्रक्रिया (रड्ड) होती है। सभी केंद्रों को इसका कड़ाई से पालन करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि माता-पिता अपने बच्चों को पूरे भरोसे के साथ इन केंद्रों में छोड़ते हैं। ऐसे में डेकेयर प्रबंधन को बच्चों की देखभाल में सबसे अधिक सावधानी बरतनी चाहिए थी। मंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि यह घटना सिर्फ किसी आईटी कंपनी की छवि खराब होने तक सीमित नहीं है। ऐसी संवेदनहीन घटनाओं से पूरे बेंगलुरु शहर की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच रिपोर्ट आने के बाद इस मामले में शामिल सभी लोगों और डेकेयर प्रबंधन के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

8-9 जुलाई को बांदा-चित्रकूट दौरे पर आ सकते हैं मुख्यमंत्री योगी, प्रशासन अलर्ट

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 8 या 9 जुलाई को बांदा-चित्रकूट दौरे की संभावना है, जिसके लिए प्रशासन और भाजपा संगठन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। (जीएनएस)।

बांदा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आठ या नौ जुलाई को बांदा-चित्रकूट दौरे की प्रबल संभावना को लेकर प्रशासन और भाजपा संगठन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। संभावित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री महापुरुषों की प्रतिमाओं का लोकार्पण, मंडलीय विकास कार्यों की समीक्षा और पंडित जेएन कालेज में विशाल जनसभा को संबोधित कर सकते हैं।

भाजपा ने जनसभा में 15 से 20 हजार लोगों की भीड़ जुटाने का लक्ष्य तय किया है, जबकि जिला प्रशासन सड़क, सर्किट हाउस और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटा है। हालांकि अभी तक मुख्यमंत्री कार्यालय से अधिकृत कार्यक्रम जारी नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री के संभावित दौरे को

लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। लोक निर्माण विभाग की



ओर से बांदा कृषि विश्वविद्यालय से नरैनी चौराहे तक बाईपास रोड की पैचिंग, डिवाइडरों की पुताई और सड़क किनारे उगी झाड़ियों को सफाई कराई जा रही है। सर्किट हाउस परिसर की सड़कों की मरम्मत के साथ भवन की रंगाई-पुताई भी पूरी करा दी गई है।

बांदा के भाजपा जिला अध्यक्ष कल्लू राजपूत ने बताया कि पहले मुख्यमंत्री के पांच से सात जुलाई के बीच आने की संभावना थी, लेकिन अब आठ और नौ जुलाई को

कार्यक्रम बनने की संभावना है। मुख्यमंत्री एक ही दिन में चित्रकूट

की भी संभावना है। मुख्यमंत्री की जनसभा को लेकर भाजपा संगठन ने भी पूरी ताकत झोंक दी है। जिला अध्यक्ष कल्लू राजपूत ने बताया कि छह जुलाई को जिले के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन का स्थान अभी तय नहीं हुआ है, हालांकि रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज के आडिटोरियम में इसके आयोजन की संभावना है। सम्मेलन में सभी मंडलों और बृथ स्तर के कार्यकर्ताओं को जनसभा में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए जाएंगे। पार्टी ने जनसभा में 15 से 20 हजार लोगों की उपस्थिति का लक्ष्य रखा है। वहीं चित्रकूटधाम मंडल के मंडलायुक्त अजीत कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री के दौरे का अभी कोई अधिकृत कार्यक्रम प्राप्त नहीं हुआ है। फिलहाल केवल संभावित दौरे की सूचना है। अधिकृत कार्यक्रम मिलने के बाद उसी के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं की जाएंगी।

'भारत की अर्थव्यवस्था पर हमारी नजर', पीएम मोदी के दौरे से पहले न्यूजीलैंड ने क्यों कहा ऐसा ?

(जीएनएस)। नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह पहली आधिकारिक न्यूजीलैंड यात्रा पर जाएंगे। प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने इसे दोनों देशों के संबंधों के लिए अहम बताया। वहीं,

मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले हफ्ते न्यूजीलैंड की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर आएंगे।' दोनों देशों के बीच संबंधों के महत्व



इस दौरे से मुक्त व्यापार समझौते से व्यापार, निवेश, रोजगार और निर्यात बढ़ने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह न्यूजीलैंड की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा करेंगे। इस पर न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड की आर्थिक समृद्धि के लिए भारत बहुत महत्वपूर्ण देश है। पीएम लक्सन ने एक्स पर क्या कहा ? न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने शुक्रवार सुबह सोशल

का जिक्र करते हुए पीएम क्रिस्टोफर ने कहा, 'भारत दुनिया की सबसे बड़ी और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और न्यूजीलैंड की आर्थिक समृद्धि के लिए बहुत महत्वपूर्ण देश है।' न्यूजीलैंड-भारत मुक्त व्यापार को लेकर क्या कहा ? उन्होंने आगे लिखा, 'हम अप्रैल में हुए न्यूजीलैंड-भारत मुक्त व्यापार समझौते के जरिए दोनों देशों के रिश्तों को एक नए स्तर पर ले जा रहे हैं। इससे न्यूजीलैंड में अधिक रोजगार मिलेगा, निर्यात बढ़ेगा और आर्थिक

आगरा में रिश्ते का खौफनाक अंत, पत्नी ने की पति की हत्या, 45 दिन बाद बाथरूम से निकली लाश

(जीएनएस)। उत्तर प्रदेश के आगरा से एक चौकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला पर आरोप है कि उसने अपने पति की हत्या कर दी और सबूत मिटाने के लिए शव को अपने ही घर के बाथरूम के फर्श के नीचे दफना दिया। करीब 45 दिनों तक किसी को इसकी भनक नहीं लगी। आखिरकार पुलिस ने शक के आधार पर बाथरूम की खुदाई कराई, जहां से शव बरामद हुआ।

पत्नी रूबी गिरफ्तार, पति कई दिनों से था लापता पुलिस ने इस मामले में आरोपी पत्नी रूबी को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक की पहचान सुरेंद्र शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, सुरेंद्र पिछले 45 दिनों से लापता थे और उनकी तलाश लगातार की जा रही थी। इस दौरान रूबी पुलिस और पड़ोसियों को अलग-अलग बातें बताकर गुमराह करती रही। जब पुलिस ने बाथरूम का प्लास्टर तुड़वाकर खुदाई कराई तो फर्श के नीचे से सुरेंद्र का शव मिला। रो-रोकर जताती रही दुख, लेकिन बढ़ता गया शक जांच के दौरान रूबी ने खुद को निर्दोष दिखाने की पूरी कोशिश की।

वह पुलिस के सामने पति की तलाश में मदद करने का नाटक करती रही। पड़ोसियों के सामने भी वह रोती थी



और कहती थी कि पति के गायब होने से वह सड़मे में है। लेकिन उसका यह नाटक ज्यादा दिन नहीं चल पाया। सुरेंद्र के भाई की शिकायत बनी बड़ा सुका सुरेंद्र के भाई को रूबी के व्यवहार पर शक होने लगा। उसने पुलिस को बताया कि रूबी हर बार अलग-अलग कहानी सुना रही है और उसकी बातें आपस में मेल नहीं खा रही हैं। इसके बाद पुलिस ने रूबी पर नजर रखनी शुरू कर दी और उससे लगातार पूछताछ की। पूछताछ में टूट गई आरोपी,

बाथरूम से मिला शव पुलिस की सख्त पूछताछ के दौरान रूबी के बयान बार-बार बदलने लगे।

इसी दौरान जांच बाथरूम तक पहुंची। जब पुलिस ने वहां खुदाई करवाई तो फर्श के नीचे से सुरेंद्र शर्मा का शव-विश्व शव बरामद हुआ। इस खुलासे से पुलिस के साथ-साथ पूरे इलाके के लोग भी हैरान रह गए। क्या इस हत्या में और लोग भी शामिल हैं ? पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है ताकि मौत का सही कारण और समय पता चल सके। जांच अधिकारी अब इस बात की भी पड़ताल कर रहे हैं कि क्या रूबी ने यह हत्या अकेले की या फिर किसी और ने

भी उसकी मदद की। पुलिस का कहना है कि बिना किसी मदद के घर के अंदर इतनी गहराई में शव दफनाना और उसके ऊपर मजबूत प्लास्टर करना आसान नहीं है। कॉल डिटेल्स और सदिग्धों की जांच जारी पुलिस अब रूबी की कॉल डिटेल्स और उसके संपर्क में रहने वाले लोगों की जांच कर रही है। अधिकारियों का मानना है कि इस मामले में कुछ और लोगों की भूमिका भी सामने आ सकती है। जांच के आधार पर आने वाले दिनों में नई गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं। आगरा का यह मामला फरवरी 2025 में हुए चर्चित 'ब्लू ड्रम' मर्डर केस की याद दिलाता है। उस मामले में मर्चेंट नेवी अधिकारी सौरभ राजपूत की हत्या उनकी पत्नी मुरकान राजपूत और उसके प्रेमी साहिल पर करने का आरोप लगा था। आरोप था कि दोनों ने शव के टुकड़े कर उन्हें एक नीले ड्रम में रखकर सीमेंट से सील कर दिया था। लों में एक बात समान नजर आती है। आरोप है कि पहले पति की हत्या की गई और फिर शव को छिपाने के लिए सीमेंट और कंक्रीट का इस्तेमाल किया गया।